28/02/2025

आकाशवाणी ईटानगर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर शुभकामनाएं दी हैं। श्री मोदी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि, जिज्ञासा विज्ञान की जननी है, और विज्ञान एवं ज्ञान मिलकर हर समस्या के समाधान का द्वार खोलते हैं। उन्होंने सभी से विज्ञान और नवाचार को लोकप्रिय बनाने और विकसित भारत के निर्माण के लिए विज्ञान का लाभ उठाने का आग्रह किया। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस हर साल 28 फरवरी को प्रख्यात भौतिक विज्ञानी सर सी.वी. रमन द्वारा **'रमन इफ़ेक्ट'** की खोज के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। सी.वी. रमन को इस अभूतपूर्व खोज के लिए 1930 में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

0000000000000000

मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने आज एक सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से लोसार के अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं दीं और सभी के लिए शांति, समृद्धि और खुशी की कामना की। वुड स्नेक वर्ष का स्वागत करते हुए, श्री खांडू ने लोगों को सभी चुनौतियों से पार पाने के लिए शक्ति, ज्ञान और रेजिलियंस अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने एकता, कृतज्ञता और उज्ज्वल भविष्य के लिए नई आशा का आह्वान किया और आने वाले वर्ष में सभी के अच्छे स्वास्थ्य, सफलता और खुशी की कामना की।

00000000000000000000000000

मुख्यमंत्री पेमा खांडू और केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने भाजपा राज्य किसान मोर्चा के पूर्व अध्यक्ष लोमपाक पाकसोक की आकस्मिक मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त किया है और शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की है, जिनका गुरुवार शाम दुमपोरिजो में निधन हो गया। दिवंगत अपर सुबनसिरी के एक सम्मानित वकील और सामुदायिक नेता थे, जो अपनी निस्वार्थ सेवा और सामाजिक कार्यों के लिए व्यापक रूप से जाने जाते रहेंगे। स्थानीय विधायक रोडे बुई ने उन्हें समुदाय के एक अभिभावक के रूप में याद करते हुए शोक व्यक्त की। इस बीच भारतीय जनता पार्टी के राज्य इकाई द्वारा भाजपा कार्यालय, ईटानगर में एक शोक सभा का आयोजन किया।

00000000000000000000

मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में अरुणाचल प्रदेश स्कोलारशिप योजना की घोषणा की है, जिसका उद्देश्य एपीएसटी छात्रों को STEM क्षेत्रों में शीर्ष 150 क्यूएस-रैंक वाले विश्वविद्यालयों में उच्च शिक्षा के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करके सशक्त बनाना है। छात्रों के प्रतिभा को बढ़ावा देने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए, श्री खांडू ने इच्छुक छात्रों से अवसर का लाभ उठाने और राज्य की प्रगति में योगदान देने का आग्रह किया। इस पहल का उद्देश्य युवाओं को वैश्विक कौशल से लैस करना और अकादमिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देना है।

0000000000000000

राज्य के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री वांगकी लोवांग ने कल अरुणाचल प्रदेश वन विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय वार्षिक शोध संगोष्ठी-2025 का उद्घाटन किया। कार्येक्रम को संबोधित करते हुए, श्री लोवांग ने संरक्षण में पारंपरिक ज्ञान के महत्व पर जोर दिया और इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे वन्यजीव पॉलिनेशन, पेस्ट कंट्रोल और इकोटूरिज्म के माध्यम से लोगों को लाभान्वित कर सकते हैं। इस बीच, पर्यावरण मंत्री के सलाहकार वांगलिन लोवांगडोंग ने जलवायु परिवर्तन के मद्देनजर गहन शोध की आवश्यकता पर जोर दिया। संरक्षण प्रयासों को मान्यता देने के लिए, कार्यक्रम के दौरान विभिन्न जिलों के वन अधिकारियों और संरक्षणवादियों सहित 12 व्यक्तियों और समूहों को पहला ग्रीन गार्जियन पुरस्कार से सम्मानित भी किया गया। कार्येक्रम के तहत प्रिंसिपल चीफ़ कंसरवेटर ऑफ़ फ़ोरेस्ट एन. ताम द्वारा लिखित **"मेस्मेराइजिंग इकोटूरिज्म डेस्टिनेशंस ऑफ अरुणाचल प्रदेश"** नामक पुस्तक का विमोचन भी किया, जिसमें राज्य की इकोटूरिज्म क्षमता पर प्रकाश डाला गया है।

0000000000000000000

कोलोरियांग विधायक पानी ताराम द्वारा आज ईटानगर में पर्यटन पर एक नई पहल, **"हिडेन पैराडाइज़ ऑफ़ कुरुंग कुमे"** की शुरुआत की। इस पहल का उद्देश्य कुरुंग कुमे जिले की छिपी हुई प्राकृतिक सुंदरता और समृद्ध संस्कृति को बढ़ावा देना है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि, पर्यटन को बढ़ावा देने से स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा और साथ इस पहल के ज़रिए कुरुंग कुमे को राज्य में एक महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल के रूप में स्थापित करने में भी मदत मिलेगी।

00000000000000

मौसम विज्ञान केंद्र, ईटानगर द्वारा राज्य के वेस्ट कामेंग, पापुम-पारे, लोअर सुबनसिरी, सियांग, ईस्ट सियांग, दिबांग वैली, लोअर दिबांग वैली, लोहित और चांगलांग जिले के लिए येलो अलर्ट जरी किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार अगले 24 घंटों में अलग अलग स्थानों में ग़रज के साथ बारिश होने की संभावना व्यक्त की गई है।

0000000000000000000

राजीव गांधी यूनिवर्सिटी, दोइमुख के इंग्लिश डिपार्टमेंट द्वारा **"रिवाईविंग एण्ड रिइमेजिनिंग इंडिजिनस नॉलेज ट्रेडिशन्स इन कंटेमपोरेरी डिसकोर्सेस"** विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन कल शुरू हुआ। राष्ट्रीय संगोष्ठी में देश के विभिन्न भागों से आए लगभग पचास प्रस्तुतकर्ता दो दिनों के दौरान संगोष्ठी के विषय से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करेंगे, जिसमें स्वदेशी ज्ञान परंपराओं को पुनर्जीवित करने की रणनीतियों और समकालीन विमर्श में इसके महत्व पर विचार-विमर्श किया जाएगा। इस अवसर पर बोलते हुए आरजीयू के कुलपति प्रो. एस.के. नायक ने भावी पीढ़ियों के लिए संरक्षित करने हेतु स्वदेशी कथाओं का दस्तावेजीकरण करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

0000000000000000000